गोकुल धाम के रहवासी बिजली, पानी को तरसे

खास बातें

- कॉलोनाइजर उमाशंकर दुबे के खिलाफ लगातार जनसुनवाई में शिकायतें
- सड़क-बिजली-पानी की मांग पर कॉलोनाइजर से विवाद
- 10 वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के लिए भटक रहे रहवासी
- हर मंगलवार कलेक्ट्रेट पहुंचकर लगा रहे गुहार

नवभारत न्यूज

विदिशा 12 मई, शहर की गोकुल धाम फेस-1 कॉलोनी में रहने वाले लोग पिछले करीब 10 वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में परेशान हैं. कॉलोनी के रहवासियों का आरोप है कि प्लॉट बेचते समय कालोनाइजर ने सड़क, बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज तक कॉलोनी में बुनियादी व्यवस्थाएं तक उपलब्ध नहीं कराई गईं. हालत यह है कि रहवासियों को बिजली के लिए करीब 2 हजार फीट लंबी लाइन डालकर अपने घरों तक रोशनी पहुंचानी पड़ रही है.

रहवासियों के अनुसार कॉलोनी में पक्की सड़क नहीं होने से बारिश के समय कीचड़ और गड्ढों के कारण आवागमन मुश्किल हो जाता है. वहीं पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को निजी इंतजामों पर निर्भर रहना पड़ रहा है. सबसे बड़ी समस्या बिजली की बताई जा रही है. लोगों का कहना है कि नियमित कनेक्शन और लाइन व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें दूर से अस्थायी लाइन डालकर बिजली लेना पड़ता है. रहवासियों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने कालोनाइजर से सड़क, पानी और बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की, तो उन्हें सहयोग देने के बजाय कॉलोनी छोड़ने तक की बात कही गई.इससे लोगों में आक्रोश बढ़ गया.

मंगलवार की दोपहर बड़ी संख्या में कालोनी के रहवासी गोकुलधाम के कालोनाइजर उमाशंकर दुबे के कार्यालय शिकायत करने पहुंचे जहां पर रहवासी और उमाशंकर दुबे के बीच कहा सुनी हो गई. जिससे खफा रहवासियों ने उमाशंकर दुबे के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी. जिसके बाद सभी रहवासी कालोनाईजर की शिकायत करने के लिए कोतवाली पहुंचे. कॉलोनीवासियों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से हर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचकर शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया. लोगों का आरोप है कि अधिकारियों को कई बार आवेदन देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे रहवासियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है.

कई लोगों पर हो चुका है बिजली चोरी का मामला दर्ज

बिजली को लेकर भी लोग दोहरी मार झेल रहे हैं. रहवासियों का कहना है कि मजबूरी में दूर से लाइन खींचकर बिजली उपयोग करने पर बिजली कंपनी कई बार बिजली चोरी का प्रकरण बना देती है. ऐसे में लोग आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से परेशान हो रहे हैं। कॉलोनीवासियों का कहना है कि यदि नियमित बिजली व्यवस्था कर दी जाए तो उन्हें इस तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा. स्थानीय लोगों ने बताया कि कॉलोनी में बड़ी संख्या में परिवार रह रहे हैं, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं. बावजूद इसके आज तक यहां बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं. लोगों का कहना है कि प्लॉट खरीदते समय उन्हें विकसित कॉलोनी और सभी सुविधाओं का भरोसा दिया गया था, लेकिन अब वे खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं. परेशान रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि कॉलोनी की समस्याओं का जल्द निराकरण कराया जाए और कालोनाइजर के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को सड़क, पानी और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाएं मिल सकें.

होमगार्ड को पता ही नहीं जमीन पर तन गई थी दीवार, प्रशासन ने की ध्वस्त

- गुरारिया हवेली के कालापाठा में प्रशासन की कार्रवाई
- जेसीबी से तोड़ी गई बाउंड्री वॉल
- खेत तक रास्ता बनाने के नाम पर किया गया था कब्जा

नवभारत न्यूज

विदिशा, तहसील क्षेत्र के ग्राम गुरारिया हवेली स्थित कालापाठा में होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने मंगलवार को हटवा दिया. कलेक्टर के निर्देश पर तहसील प्रशासन, नगर पालिका और होमगार्ड विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया. जानकारी के अनुसार कालापाठा क्षेत्र में होमगार्ड का ट्रेनिंग सेंटर संचालित है। इसके आसपास कुछ निजी भूमि भी लगी हुई हैं. बताया गया है कि कुछ लोगों द्वारा अपने खेतों तक पहुंचने के लिए होमगार्ड विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए कच्चे रास्ते पर पक्का निर्माण शुरू कर दिया गया था.

होमगार्ड विभाग भी कर रहा है अपने स्तर पर जांच

इतना ही नहीं, रास्ते के पास बाउंड्री वॉल भी खड़ी कर दी गई थी. जबकि होमगार्ड के अधिकारी इस पूरे मामले में जानकार भी अंजान बने रहे और उनकी जमीन पर कब्जा हो गया. मामले की शिकायत तहसील कार्यालय में की गई थी.शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की. जांच में निर्माण और कब्जा अवैध पाया गया. इसके बाद पूरा प्रतिवेदन कलेक्टर को भेजा गया. कलेक्टर से निर्देश मिलने के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की. मंगलवार को तहसीलदार प्रीति पंथी, पटवारी, नगर पालिका अमला और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं. 20 वाय 550 वर्ग फीट में बनी बाउंड्री वाल को जेसीबी मशीन की मदद तोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट मयंक जैन भी मौजूद रहे. तहसीलदार प्रीति पंथी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मोहन गोस्वामी द्वारा कब्जा किए जाने की बात सामने आई है। अन्य लोगों के नामों की भी जानकारी जुटाई जा रही है. उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी. कार्रवाई के दौरान आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा रही. बताया गया कि मौके पर राजस्व विभाग ने लोहे के सरिया समेत अन्य सामग्री को जब्त कर पंचायत के हवाले कर दिया. पूरी कार्यवाही का पंचानामा भी तैयार किया गया है.

जनगणना के 'चैंपियंस' का सम्मान

नवभारत न्यूज

पठारी, जनगणना-2027 अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों का सम्मान किया गया. कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जनगणना कार्य में जुटे कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विकास की नींव सही आंकड़ों पर आधारित होती है और मकान सूचीकरण व भवन गणना का कार्य पूरी निष्ठा से करना बेहद महत्वपूर्ण है.सम्मान समारोह में जिलेभर से आए प्रगणकों को सम्मानित किया गया. पठारी क्षेत्र से ग्राम चंदुली की अर्चना दांगी, गोंडखेड़ी के सुरेंद्र दुबे और भालबमोरा के हनुमत सिंह दांगी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिला. अधिकारियों ने कहा कि इन कर्मवीरों की मेहनत से जनगणना कार्य को गति मिली है और जिले के विकास की मजबूत नींव तैयार हो रही है.

पुलिस ने 7 लाख के सोने-चांदी के आभूषण किए बरामद

नवभारत न्यूज

विदिशा, पुलिस ने सूने घर में हुई चोरी के मामले में एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया है. पुलिस ने बालक के कब्जे से करीब 7 लाख कीमत के सोने एवं चांदी के आभूषण बरामद किए हैं. जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि चोरी की घटना में शामिल एक संदिग्ध बालक चोरी का सामान लेकर घूम रहा है.सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया. पूछताछ में बालक ने सूने घर में चोरी करना स्वीकार कर लिया. पुलिस द्वारा की गई पूछताछ और तलाशी के दौरान बालक के कब्जे से चोरी गए सोने एवं चांदी के आभूषण बरामद किए गए. बरामद मशरूका में तीन चांदी की करधोनी, एक जोड़ी चांदी की पायल, चार चांदी की चूड़ियां, छह मोती वाला सोने का मंगलसूत्र तथा एक सोने की पांचाली शामिल है. बरामद आभूषणों की कुल अनुमानित कीमत करीब 7 लाख बताई जा रही है.

छह वर्षीय बच्ची से गलत हरकत के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

- लटेरी पुलिस ने शहर में निकाला पैदल जुलूस
- न्यायालय ने भेजा जेल

नवभारत न्यूज

लटेरी. थाना क्षेत्र में छह वर्षीय बच्ची के साथ गलत हरकत करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की है. घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में लोगों में आक्रोश का माहौल है.

जानकारी के अनुसार आरोपी द्वारा बच्ची को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ गलत हरकत करने के प्रयास का मामला सामने आया था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी.मामले में कार्रवाई करते हुए लटेरी पुलिस ने मंगलवार को आरोपी का सिरोंज चौराहे से जय स्तंभ चौक होते हुए थाना लटेरी तक पैदल जुलूस निकाला. इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे. पुलिस ने आरोपी को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच न्यायालय में पेश किया.बताया गया है कि न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया है. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है.

तेज गर्मी का कहर : सड़क पिघली, ट्रांसफार्मर को भी लग रहा कूलर

- खरी फाटक ब्रिज पर दिखा गर्मी का असर
- सड़क पर उभरे डामर के निशान

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिले में पड़ रही भीषण गर्मी अब लोगों के साथ-साथ सड़कों पर भी भारी पड़ने लगी है.सोमवार को तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे शहर की कई सड़कों पर डामर पिघलने जैसी स्थिति दिखाई देने लगी. इसका असर खरीफ फाटक ब्रिज पर साफ नजर आया, जहां सड़क पर डामर के उभरे हुए निशान और चिपचिपाहट दिखाई दी.वहीं दूसरी तरफ अस्पताल रोड स्थित बिजली कंपनी के कार्यालय में रखे बिजली ट्रांसफारम भी गर्मी नहीं झेल अब उनको ठंडा करने के लिए कूलर का सहारा लेना पड़ रहा.दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सड़क की ऊपरी परत नरम पड़ गई. ब्रिज से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा.सड़क पर टायरों के निशान तक बनते नजर आए.

बिजली कटौती भी कर रही परेशान

शहर में लगातार अघोसित बिजली कटौती भी लोगों को परेशान कर रही है. कई में कई बार बिजली गुल हो रही है. जिससे लोग बिजली कंपनी को कोसते हुए नजर आ रहे हैं.खासतौर पर दोपहर के समय और रात के समय में होने वाली कटौती से लोग परेशान हो रहे हैं. कंपनी में शिकायत करने पर भी संतोषजनक जबाव नहीं मिलता की बिजली व्यवस्था कब तक दुरूस्त होगी. उपभोक्ताओं के मोबाइल पर मैसेज ही आते हैं कि फीडर में आय व्यवधान को ठीक किया जा रहा है. वहीं दूसरी तरफ बढ़ते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है. सुबह से ही तेज धूप निकल रही है और दोपहर तक सड़कें तवे की तरह तपने लगती हैं. बाजारों में भी दोपहर के समय भीड़ कम दिखाई दे रही है.

डीपी जलने से मिर्जापुर में अंधेरा, 10 प्रतिशत जमा करने पर भी रखाएगी डीपी

वार्ड 33 के कई घरों में बिजली गुल, बकाया बिल बना देरी की बड़ी वजह

नवभारत न्यूज

विदिशा, शहर के मिर्जापुर स्थित वार्ड 33 में पिछले कुछ दिनों से बिजली संकट गहराया हुआ है. क्षेत्र की डीपी जल जाने के कारण कई घरों में बिजली सप्लाई बंद है, जिससे स्थानीय रहवासी परेशान हो रहे हैं. भीषण गर्मी के बीच बिजली नहीं होने से लोगों को रातभर जागकर समय बिताना पड़ रहा है.डीपी पर लोड बढ़ने और तेज गर्मी के चलते डीपी में आग लग गई. करीब 3 दिन होने को हैं लेकिन अभी तक डीपी नहीं बदली गई. बिजली कंपनी का साफ कहना है कि जब तक बकाया बिजली के बिल का 10 प्रतिशत जमा नहीं हो जाता तब तक नई डीपी नहीं रखी जा सकेगी. जिस इलाके में डीपी जली है उस क्षेत्र में बिजली का करीब 15 लाख रुपए बकाया बताया जा रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में करीब 100 से अधिक उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया हैं.इसी कारण नई डीपी लगाने और सुधार कार्य में देरी हो रही है. हालांकि इसका खामियाजा पूरे मोहल्ले के लोगों को भुगतना पड़ रहा है, जिनमें ऐसे परिवार भी शामिल हैं जिन्होंने नियमित रूप से बिल जमा किया है. रहवासियों ने बताया कि बिजली नहीं होने से पानी की सप्लाई, कूलर-पंखे और अन्य जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है. लोगों ने विद्युत विभाग से जल्द नई डीपी लगाकर बिजली व्यवस्था बहाल करने की मांग की है.

जो बिल जमा कर रहे उनको तो बिजली मिले

वार्ड के रहने वाले कमलेश शिल्पकार का कहना है कि जो रहवासी बिजली का बिल जमा नहीं कर रहे उनसे बिल की बकाया राशि वसूलने का काम बिजली कंपनी का है. जो नियमित रूप से बिल जमा कर रहे हैं उनको बिजली दी जाए. लाइट न होने से करीब 4 हजार रुपए का नुकसान अभी तक हो चुका है. बिजली कंपनी को चाहिए की वह जो बिल जमा नहीं करता उनका कनेक्शन काट दिया जाए.वहीं वार्ड के पार्षद राजू दांगी का कहना है कि नई डीपी रखवाने के प्रयास किए जा रहे हैं. अधिकारियों से संपर्क किया है. जल्द से जल्द नई डीपी रखवा दी जाएगी.

लड्डा एजेंसी गली चोरी कांड का खुलासा,एक आरोपी गिरफ्तार 20 लाख का मशरूका बरामद

नवभारत न्यूज

विदिशा, बासौदा शहर थाना पुलिस ने लड्डा एजेंसी वाली गली में हुई चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 20 लाख कीमत का मशरूका बरामद किया है, जिसमें सोने-चांदी के जेवर, नगदी, टैबलेट और मोटरसाइकिल शामिल हैं. मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है. जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल को फरियादी संतोष शर्मा ने थाना बासौदा शहर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके मौसी के लड़के अभिषेक शर्मा निवासी वार्ड 6, लड्डा एजेंसी वाली गली, परिवार सहित शादी समारोह में शामिल होने के लिए ललितपुर गए हुए थे.

घर में ताला लगा हुआ था. अगले दिन वापस लौटने पर घर के मुख्य गेट और अंदर के ताले टूटे मिले तथा सामान बिखरा पड़ा था.अज्ञात चोर घर से सोने-चांदी के जेवर और नगदी चोरी कर ले गए थे. लगातार तकनीकी विश्लेषण और निगरानी के बाद आरोपी अन्नू उर्फ अंकित उर्फ अनिकेश मालवीय को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी गोलू उर्फ उमेश अहिरवार के साथ चोरी करना स्वीकार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान अन्नू उर्फ अंकित उर्फ अनिकेश मालवीय पिता शिवनारायण मालवीय उर्फ रामसिंह, उम्र 24 वर्ष, निवासी रंगिया मोहल्ला विदिशा हाल पता सेमरा भोपाल के रूप में हुई है. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 100 ग्राम सोने के जेवर, 875 ग्राम चांदी के जेवर एवं सिक्के, नगदी 69,178 मोटरसाइकिल तथा एक चांदी का नोट बरामद किया है. जप्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब 20 लाख बताई जा रही है.

जनसुनवाई में आवेदकों की सुनीं समस्याएं

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जनसुनवाई कार्यक्रम में आवेदकों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही अधिकांश आवेदनों का निराकरण कराया है. कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 154 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया था.

कार्यवाही | **जंगल में छिपाकर रखी जाती थीं चोरी की बाइकें,सिक्योरिटी गार्ड की सतर्कता से खुला मामला**

मेडिकल कॉलेज में वाहन चोरी गैंग का सदस्य पकड़ाया

राजगढ़ के जंगलों में रखी हो सकती हैं चोरी गई गाड़ियां, तीन संदिग्ध हुए फरार

नवभारत न्यूज

विदिशा, मेडिकल कॉलेज परिसर में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं के बीच सुरक्षा कर्मियों को बड़ी सफलता मिली है. कॉलेज परिसर से वाहन चोरी करने वाली गैंग के एक सदस्य को रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया है.

पत्रकार नरेश राज साहू की मोपेड चोरी कर भागने की कोशिश करते समय आरोपी को सिक्योरिटी गार्ड ने दबोच लिया, जबकि उसके तीन साथी मौके से फरार हो गए. जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज परिसर में पिछले कई दिनों से लगातार बाइक और मोपेड चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं. लगातार हो रही वारदातों से परेशान होकर सुरक्षा कर्मियों ने आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष निगरानी शुरू की थी. मंगलवार को चार संदिग्ध युवक मेडिकल कॉलेज परिसर में घूमते हुए वाहनों पर नजर रख रहे थे. इसी दौरान एक युवक ने पत्रकार नरेश राज साहू की मोपेड चोरी करने की कोशिश की. मेडिकल कॉलेज के सुरक्षा कर्मी विनोद मालवीय ने आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी.जैसे ही आरोपी मोपेड लेकर भागने लगा जिसे सुरक्षाकर्मी ने पकड़ लिया. आरोपी को पकड़ते देख उसके तीन साथी मौके से भाग निकले. बताया जा रहा है कि फरार आरोपियों के मोबाइल फोन बंद हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है. पूछताछ में आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं.

कर्ज चुकाने बना बाइक चोर, बनाया गिरोह

आरोपी ने बताया कि उस पर लगभग 15 हजार रुपए का कर्ज था. कर्ज देने वाले व्यक्ति ने कर्ज चुकाने के बदले उससे तीन बाइक चोरी करने को कहा था. आरोपी के अनुसार वह पहले ही दो गाड़ियां चोरी कर अपने साथी को दे चुका था और तीसरी गाड़ी चोरी करते समय पकड़ा गया. आरोपी ने यह भी बताया कि चोरी की गाड़ियों को राजगढ़ जिले के पिपरई गांव के जंगलों में छिपाकर रखा जाता था. वहां गाड़ियों के पार्ट्स बदले जाते थे और बाद में उन्हें सागर सहित अन्य क्षेत्रों में बेचा जाता था. आरोपी के अनुसार जंगल में करीब सात चोरी की गाड़ियां रखी हुई हैं, जबकि आशंका है कि यह संख्या एक दर्जन तक हो सकती है. पुलिस अब आरोपी की निशानदेही पर राजगढ़ के जंगलों में छापेमारी की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई से वाहन चोरी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ग्यारसपुर क्षेत्र का रहने वाला है और कुछ समय से अपने साथियों के साथ वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था. मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने वाहन चोर गैंग को पकड़ने में सुरक्षा कर्मियों विनोद मालवीय और हर्ष कुशवाह की सतर्कता की सराहना की है.